समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 26 August 2026

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ : दशहरे पर 100 वर्ष, अगला सरसंघचालक चुनने की अनोखी प्रक्रिया

Publisher

Published on 26 Sep 2025

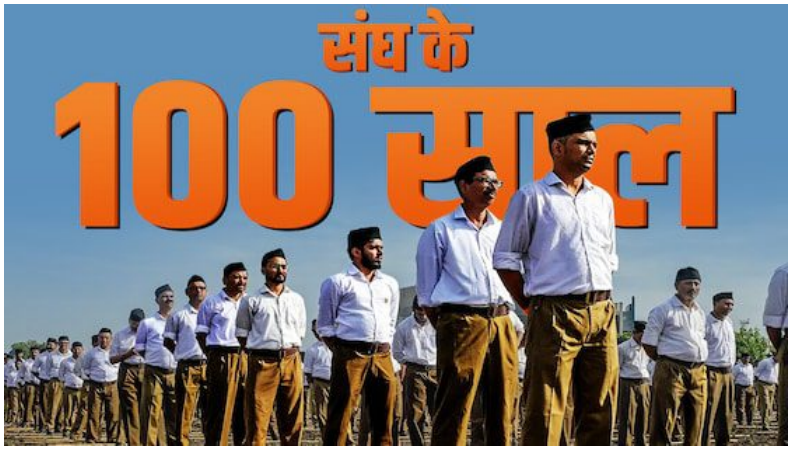

इस वर्ष राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) अपने **100 वर्ष पूरे होने का जश्न** दशहरे के मौके पर मना रहा है। यह संगठन सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए पूरे देश में जाना जाता है। संघ का गठन 1925 में **केशव बलिराम हेडगेवार** द्वारा किया गया था। तब से यह संगठन शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और राष्ट्रीय चेतना के क्षेत्र में सक्रिय है।

संघ का संगठन और नेतृत्व

RSS का नेतृत्व हमेशा से ही संरचनात्मक और अनुशासित रहा है। संघ का प्रमुख, जिसे **सरसंघचालक** कहा जाता है, संगठन की दिशा और नीतियों का निर्धारण करता है। वर्तमान में मोहन भागवत संघ के सरसंघचालक हैं और उनके नेतृत्व में संघ ने अनेक सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम और राष्ट्रीय चेतना अभियान चलाए हैं।

अगला सरसंघचालक कैसे तय होता है

मोहन भागवत के बाद संघ का अगला सरसंघचालक चुनने की प्रक्रिया **बहुत ही अनोखी और पारंपरिक** है। यह प्रक्रिया निम्नलिखित चरणों में पूरी होती है:

1. **गोपनीय चयन समिति** – संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी एक गोपनीय समिति बनाते हैं। यह समिति भविष्य के नेतृत्व की संभावित उम्मीदवारों की पहचान करती है।
2. **सदस्यता और अनुभव का मूल्यांकन** – उम्मीदवारों की सदस्यता अवधि, कार्य अनुभव, संगठन के प्रति योगदान और नेतृत्व क्षमता का गहन मूल्यांकन किया जाता है।
3. **भविष्य की दिशा और विचारधारा** – चयन समिति यह भी सुनिश्चित करती है कि अगला सरसंघचालक संघ की

विचारधारा और सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टिकोण को सुदृढ़ बनाए रखे।

4. **मौन परामर्श** – समिति कई बार मौन परामर्श और वरिष्ठ नेताओं की राय लेकर अंतिम उम्मीदवार को तय करती है।
5. **घोषणा दशहरा पर** – अंतिम चयन आम तौर पर दशहरे के अवसर पर सार्वजनिक रूप से घोषित किया जाता है, ताकि संगठन और समाज दोनों को यह जानकारी एक साथ मिले।

मोहन भागवत का योगदान

मोहन भागवत ने संघ के इतिहास में विशेष योगदान दिया है। उनके नेतृत्व में संघ ने शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में कई पहल की हैं। उन्होंने संगठन को तकनीकी और डिजिटल साधनों के माध्यम से व्यापक जनसंख्या तक पहुँचाया। उनके कार्यकाल में संघ की सक्रियता और सामाजिक प्रभाव दोनों बढ़े हैं।

संघ के प्रमुख चुनने की अनोखी परंपरा

RSS में सरसंघचालक का चयन सिर्फ संगठनात्मक दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि **सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टिकोण** से भी किया जाता है। इस प्रक्रिया में वरिष्ठ पदाधिकारियों की गहन समझ और अनुभव महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उम्मीदवार की छवि, नैतिक मूल्य और संगठन के प्रति निष्ठा निर्णायक कारक होते हैं।

अगला संघ प्रमुख कौन हो सकता है

अगला सरसंघचालक कौन होगा, इसे लेकर हमेशा से कयास और चर्चा रहती है। संगठन की गोपनीय प्रकृति के कारण यह नाम पहले सार्वजनिक नहीं किया जाता। हालांकि, वरिष्ठ पदाधिकारी और लंबे समय से संघ में सक्रिय सदस्य सबसे संभावित उम्मीदवार माने जाते हैं। यह उम्मीदवार संघ की **स्थिरता, पारंपरिक विचारधारा और सामाजिक दृष्टिकोण** को बनाए रखने में सक्षम होना चाहिए।

सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व

RSS न केवल एक संगठन है, बल्कि सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र भी है। दशहरे पर संघ का 100वां वर्ष मनाना यह दर्शाता है कि संगठन देश की सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत बनाने में सक्रिय है। संघ के कार्यक्रम शिक्षा, सेवा और राष्ट्रीय एकता के संदेश फैलाते हैं।

भविष्य की चुनौतियाँ और नेतृत्व

अगला सरसंघचालक ऐसे समय में चुनना होगा जब भारत और विश्व समाज दोनों बदलते हुए परिदृश्य का सामना कर रहे हैं। युवा पीढ़ी, डिजिटल क्रांति और सामाजिक परिवर्तनों के बीच संघ को अपनी विचारधारा और संगठनात्मक मूल्यों को बनाए रखना होगा। इसलिए, नेतृत्व का चयन संगठन के स्थायित्व और प्रभावशीलता के लिए अहम माना जाता है।

समाज पर प्रभाव

RSS का नेतृत्व समाज में नैतिक मूल्यों और अनुशासन के संदेश का प्रतीक है। सरसंघचालक का चयन न केवल संघ के लिए बल्कि पूरे समाज के लिए दिशा-निर्धारक होता है। नए नेतृत्व से संघ के सामाजिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रभाव बढ़ने की उम्मीद है।

इस दशहरे पर RSS का 100वां वर्ष पूरे होने के साथ ही संगठन का अगला सरसंघचालक चुनने की प्रक्रिया चर्चा का विषय बन गई है। मोहन भागवत के नेतृत्व में संघ ने सामाजिक और राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अगला सरसंघचालक चुनने की अनोखी और पारंपरिक प्रक्रिया संगठन के स्थायित्व, विचारधारा और भविष्य की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह दशहरा केवल उत्सव ही नहीं, बल्कि संघ की 100 वर्षों की यात्रा और भविष्य की संभावनाओं का प्रतीक भी है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.